# राजगढ़-ब्यावरा

नवभारत
भोपाल, शनिवार 06 जून, 2026

## एक नजर में

### 7 ग्राम पंचायतों में खुलेंगी नई उचित मूल्य दुकानें

**राजगढ़ 05 जून, का.** अनुविभागीय (राजस्व) अधिकारी एवं खाद्य शाखा राजगढ़ द्वारा अनुविभाग अंतर्गत उचित मूल्य दुकान विहीन ग्राम पंचायतों में नवीन शासकीय उचित मूल्य दुकानों के आवंटन हेतु मध्यप्रदेश शासन के राशन मित्र पोर्टल पर पात्र संस्थाओं से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं. प्राप्त जानकारी अनुसार अनुविभाग राजगढ़ की 7 ग्राम पंचायतों लसूडलीधाकड़, खेडीपाका, झंझाड़पुर, अभयपुर, काचरी, कालीपीठ एवं संवासडा में नवीन शासकीय उचित मूल्य दुकानों का आवंटन किया जाना है. इसके लिए पात्र संस्थाएं एवं समितियां 19 जून तक ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगी. निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा. अनुविभागीय (राजस्व) अधिकारी श्रीमती निधि भारद्वाज द्वारा बताया गया है कि एक दुकान के लिए एक से अधिक पात्र आवेदन प्राप्त होने की स्थिति में पारदर्शी प्रक्रिया के तहत लॉटरी द्वारा चयन किया जाएगा.

### अवैध मदिरा के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

**राजगढ़ 05 जून, का.** कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के निर्देशानुसार जिला आबकारी अधिकारी रीतेश कुमार लाल के मार्गदर्शन में राजगढ वृत्त प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी शैलेन्द्र वर्मा के नेतृत्व में आबकारी वृत्त राजगढ में अवैध मदिरा के निर्माण, धारण, विक्रय व परिवहन के विरूद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत क्षेत्र गश्त के दौरान ग्राम देवलीकलां में संदिग्ध स्थलों पर दबिश देकर एवं रोड चेकिंग के दौरान कुल 02 आपराधिक प्रकरण म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) के पंजीबद्ध किये जाकर, 100 पाव प्लेन मदिरा (18 बल्क लीटर), 50 पाव मसाला मदिरा (09 बल्क लीटर) एवं 23 केन बीयर (11.5 ब.ली.) जिसका अनुमानित मूल्य रूपये 15 हजार 5 सौ है. जिसे विधिवत् कार्यवाही कर कब्जे आबकारी लिया गया.

### जनपदों एवं आईटीआई में होंगे रोजगार शिविर

**राजगढ़ 05 जून, का.** जिला रोजगार अधिकारी एमवी संतोष कुमार द्वारा बताया गया कि युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में सिक्योरिटी गार्ड भर्ती शिविरों का आयोजन किया जा रहा है. जिले के विभिन्न जनपद पंचायत मुख्यालयों एवं शासकीय आईटीआई राजगढ़ में भर्ती कैम्प आयोजित किए जाएंगे. भर्ती शिविरों का आयोजन 09 जून को जनपद पंचायत आजीविका भवन ब्यावरा में किया जाएगा. इसी प्रकार 10 जून को जनपद पंचायत आजीविका भवन नरसिंहगढ़ में, 11 जून को जनपद पंचायत आजीविका भवन खिलचीपुर में, 12 जून को जनपद पंचायत आजीविका भवन जीरापुर में 15 जून को जनपद पंचायत आजीविका भवन सारंगपुर में तथा 16 जून को शासकीय आईटीआई राजगढ़ में किया जाएगा. सभी शिविर प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होंगे. भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत सुरक्षा जवान के 500 पद एवं सुपरवाइजर के 25 पदों पर चयन किया जाएगा. सुरक्षा जवान पद हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं उत्तीर्ण, आयु 19 से 40 वर्ष, ऊंचाई 168 सेंटीमीटर तथा वजन 56 से 90 किलोग्राम निर्धारित किया गया है.

# टंकी नहीं बनने तक प्यासे रहेंगे ब्यावरावासी

मोहनपुरा पेयजल योजना में बनने वाली टंकी का निर्माण शुरू नहीं, बजट के अभाव में मोहनपुरा से पानी आने में लग सकते है दो वर्ष

**बढ़ती आबादी और भौगोलिक क्षेत्रफल को देखते हुए शहर में कम से कम चार नई पेयजल टंकियां बनाए जाने की आवश्यकता**

## शहर को पर्याप्त जलप्रदाय करने के लिए टंकियों की संख्या बढ़ानी होगी

*ब्यावरा. गुलाबशाह की बावड़ी क्षेत्र में टंकी के समीप इंटकवेल का निर्माण कार्य चल रहा है.*

नवभारत न्यूज

**ब्यावरा 05 जून, का. जलसंकट ग्रस्त नगर ब्यावरा अभी कुछ वर्ष और अपनी इसी पहचान के साथ जाना जायेगा. नगर का पेयजल संकट तब तक दूर नहीं हो सकता जब तक कि नगर को ओव्हर हेड टेंक के रूप में तीन-चार विभिन्न स्थानों पर नई टंकी नहीं मिल जाए. टंकी नहीं बढ़ने तक ब्यावरावासी अभी और कुछ वर्ष प्यासे रह सकते है. इस गर्मी के माह में अधिकतम तीन से चार बार चले नल का यह क्रम अगली गर्मी में सुधरेगा इसकी संभावना नहीं है.**

उल्लेखनीय है कि ब्यावरा नगर की आबादी और भौगोलिक विस्तार को देखते हुए नगर को कम से कम चार नई टंकी बनाए जाने की आवश्यकता है. नगरपालिका को मिली मोहनपुरा पेयजल योजना में तीन नई टंकी प्रस्तावित है लेकिन इनका काम शुरू नहीं होने से यह तय हो गया है कि अगली गर्मी में भी वे बनकर तैयार नहीं होगी. इससे यह कहना जल्दबाजी नहीं होगा कि अगले साल की गर्मी भी नागरिकों को कुछ इसी तरह प्यासा मारेगी.

करीब 33 करोड़ रूपये की लागत की मोहनपुरा योजना में बजट का अभाव किसी से छुपा नहीं है. नगरपालिका के पास महज 8 करोड़ रूपये अमृत जलम योजना के तहत आरक्षित रखे है. इसी आठ करोड़ से निर्माण एजेंसी को कार्य शुरू करना था. पहले यह उम्मींद जताई जा रही थी कि नगरपालिका प्रयास कर संबंधित गुजरात की एजेंसी से योजना में तीन प्रस्तावित टंकियों का निर्माण सबसे पहले करा लेगी. दुर्भाग्य यह है कि इसकी शुरूआत बारिश के पूर्व नहीं हो पाई. अगर इसकी शुरूआत हो जाती तो बारिश में भी इसके निर्माण की प्रक्रिया चलती रहती.

एजेंसी टंकी का निर्माण शुरू भी करेगी तो अब यह कार्य दीपावली बाद ही संभव है. ऐसे में अगली गर्मी तक टंकी का निर्माण पूरा हो जायेगा यह असंभव नजर आता है.

इस आधार पर हम यह कह सकते है कि नगरवासियों को अगले वर्ष की गर्मी में भी जल संकट का सामना इसी प्रकार करना पड़ सकता है. नगर को वर्तमान में कुशलपुरा और घोड़ा पछाड़ दो पेयजल योजना से पानी मिल रहा है. अगर पानी के संग्रहण और वितरण की व्यवस्था पर नपा फौकस कर लेती तो शायद यह संभव हो सकता था कि मोहनपुरा पेयजल योजना का बाकि काम विलंब से हो भी तो जल संकट पर विराम लगने का आधार बन सकता था.

### 10 सालों में भी पानी की टंकी का उपयोग नहीं...

नगरपालिका द्वारा गुलाबशाह की बावड़ी के निकट बनाई गई टंकी का उपयोग लगभग 10 वर्ष बाद भी नहीं हो पाया है. इस टंकी की गुणवत्ता को लेकर उठे सवाल, टंकी का टेस्टिंग के दौरान भष्ट हो जाने से यह टंकी नागरिकों के लिये जलसंकट में एक नासूर का काम कर रही है. नपा ने न तो इसे चालु की और न ही आज तक वह दुरूस्त हो पाई है. नपा का दावा है कि उक्त टंकी अब उपयोग लायक है लेकिन उसे भरने के लिये नपा अब इंटकवेल बनाने में लगी है. इंटकवेल बनकर कब तैयार होगा और कब टंकी भरायेगी और इससे नागरिकों को कब से सुविधा मिलने लगेगी यह कोई दावा करने को तैयार नहीं है. ऐसा लगता है जैसे नगरपालिका खुद इस टंकी का रक्षा करने के बहाने ढूंढ रही है. यहीं कारण है कि इसे भरने के प्रयासों में हीला हवाली चल रही है. इस पूरी उधेड़बुन से आम नागरिकों को जल संकट से जूझने को विवश होना पड़ रहा है.

हमारा प्रयास है कि हम अमृत्म जल्म योजना के आगामी वर्षो की राशि भी इसी योजना में लगाकर इसे पूरी करें. इसके लिये हम प्रयासरत है. जहां तक टंकी के निर्माण की बात है तो संबंधित एजेंसी अपना पूरा काम एक साथ शुरू करने की योजना बना रही है. हम पूरी योजना के पूरे होने पर ही उसे हैंड ओवर करेंगे. हम इस योजना को शीघ्र पूरा करने के प्रयास में जुटे है.

**इकरार अहमद**
**सीएमओ, ब्यावरा**

### बजट के अभाव में मोहनपुरा का पानी आने में होगा विलंब...

गौरतलब है कि नपा के पास खुद की कोई निधि नहीं है और सरकार से मिले 8 करोड़ चार वर्षो से बैंक में रखे है. नई योजना में सरकार ने कोई बजट नहीं दिया है. ऐसे में मोहनपुरा का पानी आने में दो वर्ष भी लग जाए तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए. यद्यपि नगरपालिका का प्रयास है कि अगले दो वर्षो में अमृत्म जल्म योजना की नपा को जो राशि प्राप्त होगी उसका उपयोग भी हम इसी योजना में लगाकर इसको पूरा करने का प्रयास करेंगे. सवाल यह है कि इस उम्मींद में नागरिक कब तक संकट का सामना करने को मजबूर होंगे. राज्यमंत्री नारायण सिंह पंवार ने प्रयास करके 33 करोड़ की योजना को कागजो में तो स्वीकृत करा दिया लेकिन इसको पूर्ण करने के लिये धन देने में सरकार ने अभी तक अरूचि दिखाई है. स्वयं मुख्यमंत्री मोहन यादव इस योजना के भूमिपूजन के पश्चात भी कोई बजट देकर नहीं गये है. न ही बाद में सरकार ने इस दिशा में कोई कदम उठाया है.

### 8 गांव के उपभोक्ताओं की हर समस्या होगी हल

**नवभारत न्यूज, सुठालिया 05 जून, सं.** मध्य प्रदेश विद्युत वितरण कंपनी कल शुक्रवार, 6 जून को ग्राम नारबे में विशेष समस्या समाधान शिविर लगाने जा रही है. अगर आपका बिजली बिल ज्यादा आ रहा है, मीटर बंद पड़ा है या नया कनेक्शन लेना है तो यह शिविर आपके लिए है. इस शिविर का लाभ नारबे सहित माधोपुरा, लक्ष्मणपुरा, पहाडगढ़, शम्भूपुरा, बेराड, चौकी और नरी के हजारों उपभोक्ता उठा सकेंगे. नारबे पंचायत भवन में लगने वाले इस शिविर में विभाग पूरी टीम के साथ पहुंचेगा. यहां बिजली से जुड़ी हर बड़ी-छोटी समस्या का मौके पर ही समाधान होगा. जिसमें गलत रीडिंग या बढ़े हुए बिल को वहीं ठीक कर नया बिल मिलेगा. नए कनेक्शन की तत्काल सेवा घरेलू और कृषि कनेक्शन के आवेदन के साथ ही डिमांड नोट हाथों-हाथ दिये जायेंगे. बंद, खराब या तेज भागने वाले मीटर को तुरंत बदल दिया जाएगा. कृषि पंप का लोड बढ़ाने के आवेदन भी यहीं स्वीकृत होंगे. लो-वोल्टेज, ट्रांसफार्मर फेल या तार टूटने की शिकायतें दर्ज कर तुरंत कार्रवाई होगी. विद्युत विभाग के कनिष्ठ यंत्री प्रितेश ठाकरे ने बताया, संपर्क अभियान का उद्देश्य है कि गांव वालों को बिजली दफ्तर के चक्कर न लगाने पड़ें. उपभोक्ता आधार कार्ड, पुराना बिल और मीटर की फोटो जरूर लाएं. नए कनेक्शन वालों को जमीन के कागज और फोटो लाना अनिवार्य है. उन्होंने दावा किया कि 99 प्रतिशत शिकायतों का निपटारा मौके पर ही कर दिया जाएगा.

## तस्करी से पहले नाले में किया सागौन का स्टॉक तैयार

पुष्पा फिल्म की तर्ज पर फिर से तस्करी का विफल प्रयास

नवभारत न्यूज

**सुठालिया 05 जून, का.** चंदन तस्करी की वारदातों के किस्सों के लिए मशहूर पुष्पा फिल्म के तरीकों को इन दिनों कई इमारती और प्रतिबंधित लकड़ियों के तस्कर अपना रहे है. कभी वाहनों में तो कभी नदी, नालों के रास्तों इसे बहाकर मुकाम लगाया जाने लगा है. ऐसा ही मामला सुठालिया वनवृत्त में सामने आया है. यहां पहाड़गढ़ गांव की बीट क्षेत्र में नाले में सागौन की 85 अवैध सिल्लियों को छिपाया जा रहा था. यहां तस्करी के लिए इसका भण्डारण किया गया था. सुठालि के पहाड़गढ़ कोठी के पास पार्वती नदी के नाले से मुखबिर से प्राप्त सूचना के बाधार पर अवैध रूप से भण्डारण की जा रही सागौन की 85 नग सिल्लियों को जब्त किया गया है. कार्यवाह के दौरान वन मण्डल अधिकारी गौरव गुप्ता ने बताया कि वन्य संपदा अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा रही है.

### सीएम हेल्पलाइन में लापरवाही पर नोटिस

**राजगढ़ 05 जून, का.** कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा द्वारा सामाजिक न्याय एवं निशक्तजन कल्याण विभाग की लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की समीक्षा के दौरान शिकायतों के निराकरण में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए. शिकायत क्रमांक 37356636 की शिकायतकर्ता सोरमबाई की शिकायत का समय पर निराकरण नहीं करने पर राजगढ़ के सामाजिक सुरक्षा अधिकारी पप्पू सहरिया का वेतन रोकने के निर्देश दिए गए. शिकायत क्रमांक 36615019 के शिकायतकर्ता ललित जाटव, जो बहुविकलांग एवं मानसिक रूप से अविकसित निशक्तजन हैं, की शिकायत का निराकरण नहीं किए जाने पर संबंधित मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं सामाजिक सुरक्षा अधिकारी को नोटिस थमाया.

### 40 घरों तक पहुंचा नल से शुद्ध पेयजल

**राजगढ़ 05 जून, का.** जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम पंचायत अमानपुरा के ग्राम अमानपुरा में जल प्रदाय योजना के कमीशनिंग कार्य को गति मिल रही है. योजना के तहत ग्रामवासियों को नियमित एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं. ग्राम अमानपुरा को बावड़ीखेड़ा स्थित उच्च स्तरीय जलाशय (ओएचटी) से पेयजल आपूर्ति किए जाने का प्रावधान है. योजना के अंतर्गत ग्राम में कुल 172 घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं. इनमें से प्रथम चरण में 40 घरों में सफलतापूर्वक नल के माध्यम से जल प्रदाय प्रारंभ कर दिया गया है. जल आपूर्ति शुरू होने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है.

## बढ़ती आबादी को लेकर चिंता, वकील ने दिया ज्ञापन

नवभारत न्यूज

**राजगढ़ 05 जून, का. राजगढ़ में बढ़ती जनसंख्या को पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों के लिए खतरा बताते हुए सख्त जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू करने की मांग की गई है. हाईकोर्ट वकील मनीष विजयवर्गीय के नेतृत्व में नागरिकों ने राष्ट्रपति के नाम तहसीलदार को एक ज्ञापन सौंपा.**

ज्ञापन में कहा गया है कि देश में लगातार बढ़ रही आबादी के कारण विकास योजनाओं का प्रभाव कम हो रहा है. सरकारें सड़क, स्वास्थ्य, पेयजल जैसी सुविधाओं पर करोड़ों रुपए खर्च कर रही हैं, लेकिन जनसंख्या वृद्धि के कारण ये व्यवस्थाएं जल्द ही अपर्याप्त साबित हो रही हैं. नागरिकों ने बताया कि मैदानी और पहाड़ी क्षेत्रों में बढ़ती आबादी का सीधा असर पर्यावरण संतुलन पर पड़ रहा है. प्राकृतिक संसाधनों का तेजी से दोहन हो रहा है, जिससे प्रदूषण बढ़ रहा है और तापमान में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है. इसका सीधा प्रभाव आम लोगों के जीवन पर भी पड़ रहा है.

### दो से अधिक संतान पर कानून बनाने की मांग

ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि आज आम नागरिक स्वास्थ्य सुविधाओं, शुद्ध पेयजल और साफ हवा जैसी मूलभूत जरूरतों के लिए संघर्ष कर रहा है. वर्तमान में सरकारों द्वारा चलाई जा रही जनसंख्या नियंत्रण योजनाएं इस समस्या से निपटने में पर्याप्त साबित नहीं हो रही हैं. प्रबुद्ध नागरिकों ने केंद्र सरकार से मांग की कि दो से अधिक संतान होने पर रोक लगाने के लिए कठोर कानून बनाया जाए. यह कानून देश के सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू होना चाहिए और इसमें धर्म, जाति या समुदाय के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए. इस ज्ञापन की प्रतियां प्रधानमंत्री और संसद के दोनों सदनों के सदस्यों को भी भेजी गई हैं.

## प्रसंग : कालिया मर्दन कर यमुना को विषमुक्त कराया

नवभारत न्यूज

**जीरापुर 05 जून, सं.** नगर के समीप जेतपुरा कलां ग्राम में आयोजित भागवत कथा के पांचवें दिवस ज्योतिषाचार्य पंडित सुरेश बिहारी नागर ने भगवान कृष्ण की लीलाओं का अनोखे ढंग से चित्रण किया. पं. नागर ने कहा कि भगवान कृष्ण ने हमें लीला करते हुए जीवन जीना सिखाया है. गाय चराने पर वे गोपाल कहलाए, बंशी उठाई तो बंशीधरऔर गौओं की रक्षा की तो गोविंद कहलाए. उन्होंने कहा कि जैसा सोचेंगे वैसी ही दृष्टि हो जाती है. घर की शांति के लिए

शब्दों का चयन जरूरी है. कथा में कालिया नाग वध प्रसंग का बहुत ही रोचक ढंग से चित्रण किया गया. भगवान कृष्ण ने कालिया नाग का मर्दन कर यमुना को विषमुक्त किया, यह प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए. पं. नागर ने संगठन शक्ति को ही मुख्य शक्ति बताया. कहा कि जहां संगठन है, वहां ईश्वर का वास है. कथा में बड़ी संख्या में ग्रामवासी सहित मेडतवाल समाज के वरिष्ठ जन कथा यजमान दिनेश गुप्ता परिवार एवं रिटायर्ड कलेक्टर रमेशचंद्र भण्ड़ारी प्रतिदिन उपस्थित हो रहे और कथा का रसपान किया.

## संघ के विरुद्ध टिप्पणी मामले में हिन्दू समाज ने ज्ञापन सौंपा

पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया

नवभारत न्यूज

**सारंगपुर 05 जून, सं. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विरुद्ध सोशल मीडिया पर कथित रूप से आपत्तिजनक एवं भड़काऊ टिप्पणी किए जाने के विरोध में गुरुवार को हिंदू समाज एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े कार्यकर्ताओं ने सारंगपुर थाना पहुंचकर ज्ञापन सौंपा.**

ज्ञापन के माध्यम से संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की गई. ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि एक सोशल मीडिया उपयोगकर्ता रघुवीर सिंह चंदेल द्वारा फेसबुक पर ऐसी पोस्ट साझा की गई, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर अभद्र एवं आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया गया. शिकायतकर्ताओं का कहना है कि उक्त टिप्पणी से संघ कार्यकर्ताओं सहित हिंदू समाज की भावनाएं आहत हुई हैं तथा समाज में वैमनस्य और भ्रम की स्थिति उत्पन्न करने का प्रयास किया गया है. ज्ञापन सौंपने पहुंचे लोगों ने कहा कि किसी भी संगठन, धर्म या समाज के प्रति अपमानजनक भाषा का प्रयोग सामाजिक सौहार्द के लिए उचित नहीं है. उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करने की मांग की. इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष पंकज पालीवाल, हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष ध्रुव भल्ला, भाजपा मंडल अध्यक्ष महेश पुष्पद, अध्यक्ष अधिवक्ता पर्वत सिंह मंडलोई, सुशील व्यास, जुगल किशोर दुबे, निकेश ओम प्रकाश पुष्पद, नवीन रुण्डवाल, अनिल बारकिया, मोरसिंह राजपूत, छतर सिंह राजपूत, कमलेश टेटवाल, राजेंद्र सिंह, अभिनंदन पाटीदार, श्याम चौहान सहित बड़ी संख्या में हिंदू समाज के प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं संघ से जुड़े स्वयंसेवक उपस्थित रहे. थाना प्रभारी को सौंपे गए ज्ञापन में सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे आपत्तिजनक एवं भ्रामक संदेशों पर सख्त कार्रवाई की भी मांग की गई. पुलिस ने ज्ञापन प्राप्त कर मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है.

अब मामले में पुलिस द्वारा जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है. उन्होंने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पोस्ट की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

**वारदात** फरार होने के बाद पैदल जंगल के रास्ते खुजनेर पहुंचा, तीन प्रहरियों को किया सस्पेंड

# हथकड़ी तोड़ खिड़की से फरार हुआ जाली नोटों का अपराधी

**राजगढ़ अस्पताल से फिल्मी अंदाज में हथकड़ी तोड़कर कैदी फरार**
**ड्रिप स्टैंड से हथकड़ी तोड़ी; प्रहरी के बाहर जाते ही खिड़की से कूदा**

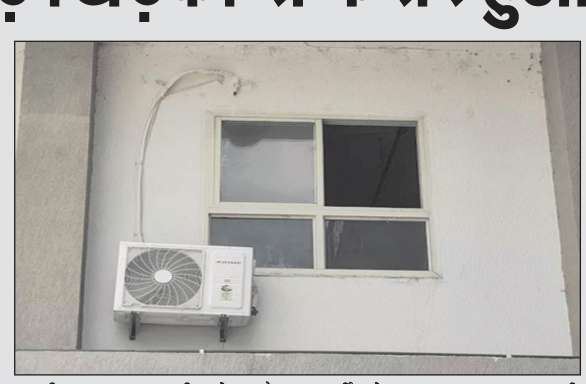

नवभारत न्यूज

**राजगढ़ 05 जून, का. राजगढ़ जिला अस्पताल में शुक्रवार सुबह सुरक्षा व्यवस्था की बड़ी चूक सामने आई. नकली नोट के मामले में सात साल की सजा काट रहा कैदी हथकड़ी तोड़कर अस्पताल से फरार हो गया. कैदी पहली मंजिल पर बने कैंसर वार्ड की खिड़की से एक मंजिल नीचे कूदकर भागा. घटना के समय ड्यूटी पर तैनात जेल प्रहरी कमरे में मौजूद नहीं था.**

जानकारी के अनुसार, आगर जिले के नलखेड़ा निवासी जितेंद्र भाटी (28) नकली नोट के मामले में सजा काट रहा था. वह पहले सारंगपुर जेल में बंद था. न्यायालय से सात साल की सजा होने के बाद 11 अप्रैल 2026 को उसे राजगढ़ जेल शिफ्ट किया गया था. 1 जून को पीलिया की शिकायत होने पर उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया.

**कैंसर वार्ड में भर्ती कराया गया था-** अस्पताल के कैदी वार्ड में उस समय एक मानसिक रूप से कमजोर महिला मरीज भर्ती को बन्द कर रखा था. इसी कारण जितेंद्र को पहली मंजिल के कैदी वार्ड के पास स्थित वार्ड नंबर-7 के कैंसर वार्ड में भर्ती कराया गया.

उसके एक हाथ में हथकड़ी लगाकर पलंग से लॉक किया गया था. सुरक्षा के लिए अलग-अलग तीन जेल प्रहरी तैनात किए गए थे. बताया जा रहा है कि शुक्रवार सुबह ड्यूटी पर तैनात प्रहरी देवेंद्र भास्कर कुछ देर के लिए कमरे से बाहर चला गया. इसी दौरान कैदी ने कमरे में रखे ड्रिप स्टैंड की मदद से हथकड़ी तोड़ दी. इसके बाद वह खिड़की से एक मंजिल नीचे कूदकर अस्पताल परिसर से फरार हो गया.

**प्रहरी पहुंचा तो कैदी नहीं मिला-** कुछ देर बाद जब प्रहरी कमरे में पहुंचा तो कैदी गायब मिला. पलंग पर टूटी हुई हथकड़ी लटकी हुई थी. इसके बाद तत्काल जेल अधिकारी और पुलिस को सूचना दी गई.

सूचना मिलते ही पुलिस ने अस्पताल और आसपास के इलाकों में सर्चिंग शुरू कर दी. घटना के बाद जिला अस्पताल और जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं. जिस कमरे में कैदी को रखा गया था, उसकी खिड़की की जाली पहले से निकली हुई बताई जा रही है. इसके बावजूद वहां कैदी को भर्ती करना और सुरक्षा में लापरवाही बरतना बड़ी चूक माना जा रहा है.

### चार घंटे पैदल जंगलों में भटका

जिला अस्पताल की खिड़की से कूदकर फरार होने वाला आरोपी खिलचीपुर रोड़ से जंगल के रास्ते खुजनेर पहुंचा. इस बीच वह करीब चार घंटे तक जंगल और बंजर जमीन पर पैदल चलता रहा. इसके बाद खुजनेर से बस पकड़ी और पचोर पहुंचा. लेकिन मुखबिर तंत्र की मदद से पुलिस ने उसे बोडा जाने के दौरान दबोच लिया. हालांकि राजगढ़ जिला अस्पताल से कैदी फरार होने का यह पहला मामला नहीं है. इससे पहले भी 4 साल पहले हत्या और लूट के मामले का आरोपी अस्पताल के कैदी वार्ड से बाथरूम की खिड़की तोड़कर फरार हो चुका है. लगातार सामने आ रही घटनाओं से अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं.